नईदुनिया

जिंका लॉजिस्टिक्स का आईपीओ खुला, निवेशक 18 नवंबर तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली

ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बुधवार को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 18 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 21 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे।

जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 259-273 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 54 इक्विटी शेयर और उसके बाद 54 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,115 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी पात्र कर्मचारियों को 25 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का डिस्काउंट का ऑफर दे रही है।

कंपनी का एक रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ 550 करोड़ रुपये के नए निर्गम और 2.06 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस आईपीओ में मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर प्रवर्तकों और निवेशकों के ओएफएस का मूल्य 565 करोड़ रुपये बैठता है। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस नए निर्गम से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग बिक्री और विपणन पहल के लिए करेगी। इसके अलावा 140 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश के लिए किया जाएगा जबकि 75 करोड़ रुपये उत्पाद विकास से संबंधित व्यय के वित्तपोषण के लिए तथा एक हिस्सा सामान्य कंपनी अपने कामकाज में लगाएगी। उल्लेखनीय है कि जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड कंपनी ट्रक ऑपरेटरों (यूजर्स की संख्या के हिसाब से) के लिए भारत का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

न्यूज ब्रीफ

मामूली लिस्टिंग के बाद स्विगी के शेयरों ने दिखाई मजबूती, आईपीओ निवेशकों के खिले चेहरे

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी के शेयर की शुरुआती चाल ने आईपीओ निवेशकों चेहरे खिला दिए हैं। स्टॉक मार्केट में कंपनी के शेयर करीब 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत 390 रुपये के भाव पर स्विगी के शेयर जारी किए गए थे। बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 412 रुपये और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 420 रुपये के भाव पर हुई। हालांकिए लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इसके शेयरों में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण स्विगी के शेयर 391 रुपये के स्तर तक गिर गए, लेकिन इसके बाद खरीदारी शुरू होने से इसने तेज छलांग लगा दी। खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 449 रुपये के भाव तक पहुंच गए। लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 12 बजे स्विगी के शेयर 54 रुपये की मजबूती के साथ 444 रुपये के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। स्विगी का 11,327.43 करोड़ रुपये का ये आईपीओ इस साल घरेलू शेयर बाजार में लॉन्च होने वाला दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ है। इसके पहले अक्टूबर के महीने में हुंडई मोटर ने 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च करके घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करने का रिकॉर्ड बनाया था। स्विगी का आईपीओ 6 से 8 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ था। आईपीओ के तहत 371 से 390 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया था, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के अलावा दूसरी कैटेगरी में इस आईपीओ को लेकर अधिक उत्साह नजर नहीं आया था। खासकर, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में तो सिर्फ 0.41 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन ही आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन भी अंतिम दिन 1.14 गुना सब्सक्राइब हो सका था। स्विगी के आईपीओ के तहत 4,499 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 17,50,87,863 शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बिक्री हुई है। आईपीओ के जरिए नए शेयरों की बिक्री से मिले पैसों में से 164.80 करोड़ रुपये से कंपनी अपनी सब्सिडियरी स्कूट्सी के कर्ज को काम करेगी, जबकि 1,178.70 करोड़ रुपये की लागत से कंपनी के डार्क स्टोर नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की संपत्ति में 84.7 अरब डॉलर की वृद्धि

सैन फ्रांसिस्को । उद्योगपति एलन मस्क इस समय दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति बने हुए हैं। इस सप्ताह उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में 29 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे उनकी कुल संपत्ति बढ़कर 314 अरब डॉलर तक पहुंच गई। मस्क की इस संपत्ति में 84.7 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। हालांकि, इस वर्ष संपत्ति में तेजी से वृद्धि के मामले में एनवीडिया के सह-संस्थापक और सीईओ जेनसेन हुआंग ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है, जिनकी संपत्ति में इस साल 84.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। हुआंग, जो हाल ही में भारत दौरे पर भी आए थे, की कुल संपत्ति अब 129 अरब डॉलर है, जिससे वह दुनिया के शीर्ष 10 अमीरों की सूची में शामिल होने से थोड़ा पीछे रह गए और फिलहाल 11वें स्थान पर हैं।

दीपावली पर सोने पर हुआ 1,961 करोड़ का रिकॉर्ड निवेश

नई दिल्ली। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेशकों की बढ़ती रुचि के साथ ही अक्टूबर में इसमें रिकॉर्ड 1,961 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो सितंबर के 1,233 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। भारतीय म्यूचुअल फंड्स के संगठन (एएमएफआई) के अनुसार, यह अक्टूबर में गोल्ड ईटीएफ श्रेणी का मासिक शुद्ध इनफ्लो का नया रिकॉर्ड है। जनवरी 2020 से लेकर अब तक गोल्ड ईटीएफ में कुल 24,153 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जो इस निवेश विकल्प की लोकप्रियता को दर्शाता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध सोने की होल्डिंग पिछले चार वर्षों में लगभग दोगुनी होकर 54.5 टन तक पहुंच गई है, जबकि चार साल पहले यह केवल 27.4 टन थी।

ट्रम्प की जीत के बाद गोल्ड मार्केट में गिरावट का दौर शुरू, दिसंबर में 72,500 रुपये तक गिर सकता है सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई गिरावट से घरेलू सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली

पिछले महीने तक लगातार मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने वाले सोना अब गिरावट की राह पर चल पड़ा है। दिल्ली सर्राफा बाजार में 27 अक्टूबर को 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करने वाला सोना 77,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। माना जा रहा है कि अमेरिकी चुनाव के परिणाम आने के बाद से ही निवेशकों ने गोल्ड मार्केट से अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया है, जिसकी वजह से इस चमकीली धातु की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक माहौल में पिछले 1 सप्ताह के दौरान आए बदलाव के कारण आने वाले दिनों में सोने की गिरावट और बढ़ सकती है, जिससे ये चमकीली धातु 72,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक भी लुढ़क सकती है।

घरेलू सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,470 रुपये की गिरावट के साथ 77,430 रुपये से लेकर 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,350 रुपये की गिरावट के साथ 70,990 रुपये से लेकर 70,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार पांचवें दिन गिरावट आई है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में आई तेज गिरावट की वजह से घरेलू सर्राफा बाजार में भी इस चमकीली धातु की कीमत में गिरावट का रुख बना है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2,800 डॉलर प्रति ऑन्स के ऑल टाइम हाई लेवल से लुढ़क कर 2,617.15 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर तक पहुंच गया है। हालांकि कॉमेक्स पर स्पॉट गोल्ड की तुलना में गोल्ड फ्यूचर थोड़ी बढ़त के साथ 2,621.85 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार पिछले महीने तक अमेरिका में राजनीतिक अनिश्चितता की आशंका, जियो पॉलिटिकल टेंशन और कई देशों के सेंट्रल बैंकों द्वारा की जा रही सोने की खरीदारी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लगातार मजबूती के नए रिकॉर्ड बना रहा था। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के साथ राजनीतिक अनिश्चितता की बात खत्म हो गई है। इसके साथ ही ट्रम्प ने जिस तरह चुनाव जीतने के बाद दुनिया के 70 से अधिक देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री से बातचीत की पहल शुरू की है, उससे जियो पोलिटिकल टेंशन घटने की भी उम्मीद बन गई है। इस इस वजह से निवेशकों ने सोने में निवेश घटा दिया है।

उल्लेखनीय है कि सोना को परंपरागत रूप से सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट माना जाता है। इसीलिए किसी भी संकट की स्थिति में या वैश्विक तनाव के हालात बनने पर निवेशक सोने में निवेश बढ़ा देते हैं। लेकिन सामान्य स्थिति में निवेशक गोल्ड मार्केट की तुलना में इक्विटी मार्केट या क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तुलनात्मक तौर पर अधिक निवेश करते हैं। इक्विटी या क्रिप्टो करेंसी मार्केट में जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन इसका रिटर्न भी जबरदस्त होता है।

मयंक मोहन के अनुसार अक्टूबर के तनावपूर्ण माहौल के बाद नवंबर में तनाव घटने के संकेत मिल रहे हैं, जिसके कारण निवेशकों ने सोने में किया गया अपना निवेश निकाल कर इक्विटी मार्केट में निवेश बढ़ा दिया है। खासकर चीन द्वारा राहत पैकेज का ऐलान करने के बाद निवेशकों ने चीन के स्टॉक मार्केट में अपना निवेश काफी अधिक कर दिया है। इस निवेश के लिए वे दुनिया के दूसरे स्टॉक मार्केट के साथ ही गोल्ड मार्केट से भी लगातार अपने पैसे की निकासी कर रहे हैं, जिसकी वजह से सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में आई गिरावट का असर घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ा है, जिसके कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में हाजिर सोने (स्पॉट गोल्ड) के भाव में लगातार गिरावट दर्ज की गई है।

इसी तरह कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट निर्मल जैन का कहना है कि डॉलर इंडेक्स 4 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा हुआ है। डॉलर की मजबूती के कारण भी सोने के प्रति निवेशकों का आकर्षण कम हुआ है। इस वजह से नवंबर में स्पॉट गोल्ड 2,600 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर से भी नीचे लुढ़क कर 2,560 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर तक जा सकता है। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव में इतनी गिरावट आती है, तो इसका असर घरेलू सर्राफा बाजार पर भी पड़ेगा।

हालांकि निर्मल जैन का ये भी कहना है कि देवोत्थान एकादशी के दिन से ही देश में वेडिंग सीजन की भी शुरुआत हो गई है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में गिरावट आने के बावजूद घरेलू सर्राफा बाजार में सोना को सपोर्ट मिलता रहेगा। इसके बावजूद वेडिंग सीजन खत्म होने के बाद दिसंबर में सोने की कीमत गिर कर 72,500 से 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक लुढ़क सकती है। इसलिए छोटे और खुदरा निवेशकों को फिलहाल काफी सोच समझ कर अपने इनवेस्टमेंट प्लान को अंतिम रूप देना चाहिए।

स्टेट बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों की सूची में शामिल

मुंबई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को फिर से घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (डी-एसआईबी) की सूची में शामिल किया है।

आरबीआई ने बुधवार को डी-एसआईबी 2024 की सूची जारी की है। इस सूची में शामिल होने के लिए ऋणदाताओं को उस 'बकेट' के अनुसार पूंजी संरक्षण भंडार के अतिरिक्त उच्च 'कॉमन इक्विटी टियर 1' (सीईटी 1) बनाए रखना जरूरी है, जिसके अंतर्गत इसे वर्गीकृत किया गया है। रिजर्व बैंक की जारी सूची के मुताबिक एसबीआई अब भी 'बकेट 4' में बना हुआ है, जिसके लिए देश के सबसे बड़े ऋणदाता बैंक को 0.80 फीसदी का अतिरिक्त सीईटी 1 रखना होगा। सूची के मुताबिक निजी क्षेत्र के सबसे बड़ा ऋणदाता एचडीएफसी बैंक को 'बकेट 2' में रखा गया है, जिसके तहत उसे 0.40 फीसदी अधिक सीईटी 1 बनाए रखना होगा। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक को 'बकेट 1' में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता बैंक को सीईटी 1 भंडार में अतिरिक्त 0.20 फीसदी बनाए रखना होगा।

रिजर्व बैंक ने बयान में बताया कि एसबीआई तथा एचडीएफसी बैंक के लिए उच्च डी-एसआईबी अधिभार 1 अप्रैल 2025 से लागू होगा। इसलिए 31 मार्च, 2025 तक एसबीआई और एचडीएफसी बैंक पर लागू डी-एसआईबी अधिभार क्रमशः 0.60 फीसदी और 0.20 फीसदी होगा। आरबीआई ने कहा कि ये वर्गीकरण 31 मार्च, 2024 तक बैंकों से एकत्र किए गए आंकड़ों पर आधारित है।

केंद्रीय बैंक ने पहली बार 2014 में डी-एसआईबी से निपटने के लिए रूपरेखा की घोषणा की थी। आरबीआई ने 2015 और 2016 में एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक को इस सूची में शामिल किया था, जबकि 2017 में अन्य दो बैंकों के साथ एचडीएफसी बैंक को भी सूची में शामिल किया।

एनटीपीसी ग्रीन ने सेट किया आईपीओ का प्राइसबैंड, 102 से 108 के भाव पर लगेगी बोली

नई दिल्ली

एनटीपीसी की सब्सिडियरी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने अपने 10,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 102 से 108 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। ये आईपीओ 19 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। आईपीओ की क्लोजिंग 22 नवंबर को होगी। इश्यू के ओपन होने के पहले 18 नवंबर को एंकर बुक की ओपनिंग होगी, जिसके जरिए एंकर इन्वेस्टर्स आईपीओ में अपनी बोली लगाएंगे। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयरों की 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग होगी।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत पोर्शन रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत और रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत पोर्शन रिजर्व किया गया है। इसमें 200 करोड़ रुपये के शेयर एम्पलाइज के लिए रिजर्व किए गए हैं,

जिन्हें प्रति शेयर 5 रुपये का डिस्काउंट दिया जाएगा। इस आईपीओ के तहत सिर्फ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें ऑफर फॉर सेल नहीं होगा।

इस आईपीओ के जरिए जुटाए जाने वाले 10,000 करोड़ रुपये में से 7,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी अपनी सहायक कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनआरईएल) के कर्ज को चुकाने में करेगी, जबकि शेष बचे 2,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

अक्टूबर महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि : सियाम

नई दिल्ली

त्योहारी मांग की वजह से यात्री वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर मामूली बढ़त के साथ 3,93,238 इकाई रही है। अक्टूबर 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,89,714 इकाई रही थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि अक्टूबर महीने में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 21,64,276 इकाई पर पहुंच गई जबकि अक्टूबर 2023 में ये 18,95,799 इकाई रही थी। स्कूटर की बिक्री अक्टूबर में 22 फीसदी की वृद्धि के साथ 7,21,200 इकाई रही है। इस दौरान मोटरसाइकिल की

थोक बिक्री 11 फीसदी की बढ़त के साथ 13,90,696 इकाई हो गई जबकि अक्टूबर 2023 में यह 12,52,835 इकाई रही थी। हालांकि, पिछले महीने अक्टूबर में मोपेड की बिक्री घटकर 52,380 इकाई रह गई जबकि एक वर्ष पूर्व इसी माह में यह 53,162 इकाई रही थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर महीने में मामूली गिरावट के साथ 76,770 इकाई रह गई जबकि अक्टूबर 2023 में यह 77,344 इकाई थी। उद्योग संगठन सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि त्योहारी सीजन अक्टूबर 2024 में दो प्रमुख त्योहारों दशहरा और दीपावली होने से उपभोक्ता मांग बढ़ी, जिससे मोटर वाहन उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि यात्री वाहनों ने 0.9 फीसदी की वृद्धि के साथ अक्टूबर में 3.93 लाख इकाइयों की अपनी उच्चतम बिक्री दर्ज की।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में अक्टूबर की महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। आशंका जताई जा रही है कि महंगाई दर के आंकड़ों में तुलनात्मक तौर पर बढ़ोतरी हो सकती है। इसीलिए पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,983.76

अंक के स्थान पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,281.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत फिसल कर 43,889.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 99.42 अंक यानी 1.24 प्रतिशत टूट कर 8,025.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 199.90 अंक यानी 2.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,226.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 414.96 अंक यानी 2.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,033.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,458.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,334.58 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,713.11 अंक के स्तर तक पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 153 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,785 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 125.30 अंक यानी 0.63 प्रतिशत लुढ़क कर 19,721.58 अंक के स्तर तक गिर गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.03 प्रतिशत टूट कर 2,432.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 452.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,923.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.14 प्रतिशत फिसल कर 22,950.20 के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 3,421.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 43/आर-3 स्नेह नगर रोड, गोपालगंज सागर (म.प्र.) - 470001 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक : डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक : अपूर्व तिवारी। *
भोपाल कार्यालय फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com(* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. MPHIN/2015/61503, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017